



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 272]
No. 272]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मई 15, 2008/वैशाख 25, 1930
NEW DELHI, THURSDAY, MAY 15, 2008/VAISAKHA 25, 1930

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 मई, 2008

सा.का.नि. 380(अ).—केन्द्रीय सरकार, खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार ऐसी परिस्थितियों में, जो केन्द्रीय सरकार की राय में और लोकहित में, केन्द्रीय खाद्य मानक समिति से परामर्श किए बिना नियम विरचित किए जाने को आवश्यक बनाती हैं, खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाने का प्रस्ताव करती है, उक्त धारा की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर भारत के राजपत्र में उसके प्रकाशन के साठ दिन के पश्चात् विचार किया जाएगा। इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख को या उससे पूर्व उक्त प्रारूप नियमों की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त किन्हीं आक्षेपों या सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हो, सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली- 110011 को भेजे जा सकेंगे।

प्रारूप नियम

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण (दूसरा संशोधन) नियम, 2008 है।
- (2) ये राजपत्र में उनके अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में, नियम 2 में,

(i) खंड (ज), खंड (ट), खंड (ठ) और खंड (ड) का लोप किया जाएगा ;

(ii) खंड (ण) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(ण) “विशेष आहार उपयोग के लिए खाद्य” से ऐसे खाद्य अभिप्रेत हैं जो विशेष रूप से विशिष्ट आहार अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रसंस्कृत या बनाए जाते हैं जो किसी विशिष्ट शारीरिक या शरीर क्रियात्मक दशा या विशिष्ट रोगों और विकारों के कारण होते हैं और जो उस रूप में प्रस्तुत किए जाते हैं, जिनमें इन खाद्य पदार्थों की संरचना तुल्य प्रकृति के उन सामान्य खाद्यों की संरचना से महत्वपूर्ण रूप से भिन्न होनी चाहिए, यदि ऐसा सामान्य खाद्य विद्यमान होता है।”;

(iii) खंड (थ), खंड (द), खंड (ध), खंड (म) और खंड (प) का लोप किया जाएगा ।

3. उक्त नियमों के नियम 32 में,—

I खंड (ख) में,—

(i) संघटकों की सूची से संबंधित पैरा (2) के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(2) संघटकों की सूची- एकल संघटक खाद्यों के सिवाय लेबल पर संघटकों की सूची निम्नलिखित रीति में घोषित की जाएगी :—

(i) संघटकों की सूची का एक समुचित शीर्षक होगा उदाहरणार्थ “संघटक” पद ;

(ii) उत्पाद में प्रयुक्त संघटकों के नाम, खाद्य के विनिर्माण के समय प्रयुक्त भार के अनुसार अवरोही क्रम में सूचीबद्ध होंगे,

(iii) जहां कोई संघटक अपने आप में दो या अधिक संघटकों का उत्पाद है वहां संघटकों की सूची में ऐसा संमिश्रित संघटक उसी रूप में घोषित किया जा सकेगा और भार के अवरोही क्रम में उसके संघटकों की सूची कोष्ठकों में संलग्न की जाएगी :

परंतु जहां ऐसा संमिश्रित संघटक, जिसके लिए इन नियमों में कोई नाम नियत किया गया है, खाद्य के पांच प्रतिशत से कम होता है वहां खाद्य योज्यों से भिन्न संघटक जो तैयार उत्पाद में प्रौद्योगिक कार्य की पूर्ति करता है, के घोषित किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी ;

(iv) संघटकों की सूची में मिलाए गए जल की तब के सिवाय घोषणा की जाएगी जब जल सम्मिश्रित खाद्य में प्रयुक्त ब्राइन, सीरप या ब्रोथ, जैसे किसी संघटक का भाग बनता हो और संघटकों की सूची में उस रूप में घोषित किया गया हो :

परंतु विनिर्माण के अनुक्रम में उद्वाष्पित जल या अन्य वाष्पशील संघटकों को घोषित किए जाने की आवश्यकता नहीं है :

परंतु यह और कि निर्जलित या संघनित खाद्य की दशा में, जो केवल जल के मिश्रण द्वारा पुनर्गठित किए जाने के लिए आशयित है, संघटकों को पुनर्गठित उत्पाद में भार के क्रम में सूचीबद्ध किया जा सकेगा और उसमें “उत्पाद के संघटक, जब, लेबल पर निर्देशों के अनुसार तैयार किए गए हों” जैसा कथन अंतर्विष्ट होगा ;

(v) मिश्रण या संयोजन के रूप में विक्रय किया गया खाद्य का प्रत्येक पैकेट (जिसके अंतर्गत मिश्रित संघटक या संघटकों के प्रवर्ग भी हैं) खाद्य के विनिर्माण के समय किसी संघटक की भीतर जाने वाली प्रतिशतता, यथास्थिति, भार या प्रबलता के अनुसार प्रकट की जाएगी, कि —

- (क) उस पर शब्दों या चित्रों या आलेखों के माध्यम से लेबल पर यथाविद्यमान रूप में महत्व दिया गया है ; ~~या~~
- (ख) खाद्य के नाम के भीतर नहीं है किंतु खाद्य के लक्षणों आवश्यक हैं और उपभोक्ताओं द्वारा खाद्य में विद्यमान की प्रत्याशित है, यदि घोषित किए जाने वाले संघटक की मात्रा का लोप उपभोक्ता को भुलावा देना या धोखा देना होगा :

परंतु ऐसी उपर्युक्त प्रकटन की अपेक्षा नहीं है जहां नियम 63 के उपबंधों के अनुसरण में संघटकों को वासक अभिकर्मकों के रूप में उपयोग किया गया है या वासक के प्रयोजनों के लिए जड़ी बूटियों, मसाले या स्वाद वर्धकों का उपयोग किया गया है ;

परंतु और कि ऐसे उपर्युक्त प्रकटन की अपेक्षा नहीं है जहां यथाअपेक्षित निकाला गया शुद्ध भार उपदर्शित है या ऐसे खाद्य उत्पादों के मामले में जहां इन नियमों के अधीन नियत विशिष्ट उपबंध हैं या जहां उपभोक्ता सूचना और उपयोग के लिए बनाए गए आहार सुझावों का सचित्र अभ्यावेदन है ;

- (vi) लेबल पर उत्पाद के प्रति 100 ग्रा. या 100 मि.ली. या प्रति आहार पर पौषणिक सूचना या पौषणिक तथ्यों की निम्नलिखित सूचना दी जाएगी :-

(क) ऊर्जामान कि. कैलोरी में व्यक्त होगा ;

(ख) प्रोटीन, कॉर्बोहाइड्रेट (शर्करा की परिमाण विनिर्दिष्ट करें) और वसा की मात्रा ग्राम (ग्रा.) में व्यक्त होगी ;

(ग) कोई अन्य पोषक की मात्रा के लिए जिसके लिए कोई पोषक या स्वास्थ्य का दावा किया गया है :

परंतु जहां कोई दावा वसा अम्लों की मात्रा या प्रकार या क्लोलेस्टेराल की मात्रा, संतृप्त वसा अम्लों, एकल असंतृप्त वसा अम्लों और बहु असंतृप्त अम्लों और क्लोलेस्टेराल की बाबत किए गए दावों की घोषणा की गई तथा ट्रांस वसा अम्ल की मात्रा की घोषणा उपर्युक्त अन्य विहित अपेक्षाओं के अतिरिक्त होंगी ;

(घ) जहां कहीं, विटामिनों और खनिजों की जानकारी अंकों में घोषित की गई है वह मैट्रिक इकाईयों में व्यक्त होगी ;

(ङ) जहां पोषण की घोषणा प्रति आहार में की गई है तो प्रति आहार माप के साथ संदर्भ के लिए उसमें मात्रा ग्राम(ग्रा.) या मिली लीटर (मि.ली.) में भी सम्मिलित होगी ;

(च) अन्य पोषकों, जैसे विटामिनों और खनिजों जिसके अंतर्गत सोडियम, पोटेशियम, किसी पोषक के मामले में अपेक्षित आहार रेशे भी होंगे, लेवल या पैकेज में अंतर्विष्ट खाद्य के संबंध में स्वास्थ्य फायदों या अन्यथा का दावा किया जाता है, की घोषणा होगी;

(छ) लेबल पर एकल या बहु असंतृप्त वसा अम्लों के होने या ओमेगा 3 या ओरीजेनोल के होने का दावा किए जाने के मामले में जिसे स्वास्थ्य के लिए अच्छे होने का विचार किया गया है लेवल पर वसा अम्लों की मात्रा और उनके प्रकार के बारे में घोषणा होगी :

परंतु यह कि --

(क) ऐसे खाद्य पदार्थों में जैसे कि कच्ची कृषि वस्तुओं जैसे गेहूँ, चावल, दालें, गरम मसाले, मसाले मिश्रण, जड़ी बूटियों, मसाले पिसा हुआ साफ नमक, शर्करा, गुड़ आदि या गैर पोषक उत्पाद जैसे घुलनशील चाय, काफी, घुलनशील काफी, काफी कासनी का मिश्रण, पैकेज पीने का पानी, पैकेज खनिज जल, एल्कोहलिक पेय, पूरे या कटे हुए फल और शाक भाजी, प्रसंस्कृत या पूर्व पैकेज विविध शाक भाजी, फल, शाक भाजी और उत्पाद जिनमें एकल घटक हों, आचार, पापड़, जिसमें पोषक का स्रोत ज्ञात नहीं है या जहां उसमें कोई पोषक खाद्य तत्काल परोसने के लिए अंतर्विष्ट नहीं है जैसे अस्पताल या होटलों या

खाद्य सेवा विक्रेताओं या हलवाईयों, थोक में खाद्य भेजने वालों को जो उस प्ररूप में उपभोक्ताओं को विक्रय के लिए नहीं है, में पोषकता की सूचना आवश्यक नहीं होगी,

- (ख) स्थापित व्यवहारों के अनुसार लेवल पर घोषित पोषकता के परिमाण के अनुपालन करना होगा ।

स्पष्टीकरण - इस उपबंध के प्रयोजन के लिए, विश्लेषण के समय, घोषित पोषकों की परिमाण के मामले में, खाद्य का स्वतः जीवन, भंडारण और उसकी वंशागत प्रकृति के आधार पर सम्यक विचार किया जाएगा ;

(ग) जहां लेवल पर पोषक या स्वास्थ्य के संबंध में दावे किए जाते हैं या हाइड्रोजनकृत वनस्पति वसा या बेकरी वसा या वसा विस्तार के मामले में, संतृप्त वसा और ट्रांस वसा की मात्रा की घोषणा लेवल पर होगी ;

(घ) खाद्य, जिसमें हाइड्रोजनकृत वनस्पति वसा या बेकरी खस्ताकार का उपयोग किया जाता है या लेवल पर लेवल घोषणा होगी कि हाइड्रोजनकृत वनस्पति वसा या बेकरी खस्ताकार के उपयोग में ट्रांस वसा अंतर्विष्ट है;

(ङ) दोनों वसा और संतृप्त वसा अम्लों के अंतर्विष्ट होने को, जो 'संतृप्त' और 'ट्रांस वसा', 'ट्रांस वसा में कमी' और 'ट्रांस वसा से न्यून' उपर्युक्त शब्दों के ठीक पश्चात् ग्रामों में व्यक्त होगा ;

परंतु और कि खाद्य में अंतर्विष्ट पोषकों के दावे में उनके दावे में अंतर्विष्ट ट्रांस वसा 'ट्रांस वसा से मुक्त' (खाद्य की प्रति मात्रा में ट्रांस वसा 0.2 ग्राम से न्यून) या 'संतृप्त वसा से मुक्त' या 'ट्रांस वसा से मुक्त' के लिए दावे या उपभोक्ता के लिए समान अर्थ रखने वाले जैसे कोई दावे खाद्य के मामले में केवल हो सकेंगे, जहां संतृप्त वसा या ट्रांस वसा अम्लों की मात्रा प्रति 100 ग्राम या 100 मि.ली. में संतृप्त वसा के 0.1 ग्राम से अधिक नहीं है ।

स्पष्टीकरण --

(i) इस उपबंध के प्रयोजन के लिए, विश्लेषण के समय, घोषित पोषकों की परिमाण के मामले में खाद्य का स्वतः जीवन, भंडारण और उसकी वंशागत प्रकृति के आधार पर सम्यक विचार किया जाएगा ;

(ii) "पोषक दावे" से ऐसा कोई अभ्यावेदन अभिप्रेत है जिसमें कोई ऐसी दशा या सुझाव या विविक्षित सम्मिलित है की किसी खाद्य में विशिष्ट पोषिकता गुणधर्म हैं सम्मिलित हैं किंतु उसमें

1801 GI/08-2

कोई ऊर्जामान की सीमा नहीं है और प्रोटीन, वसा या कार्बोहाइड्रेट के साथ-साथ विटामिन और खनिज भी अंतर्विष्ट हैं ;

- (iii) “स्वास्थ्य दावे” से ऐसे कथन, सुझाव या अभिव्यक्तियां अभिप्रेत हैं जिसके संबंध में किसी खाद्य या खाद्य के किसी संघटकों के मध्य कोई संबंध विद्यमान है और स्वास्थ्य तथा जिसमें पोषकता कृत्यों के दावे भी हैं जिसमें शरीर की वृद्धि, विकास और सामान्य कृत्यों में शारीरिक क्रिया विज्ञान का महत्व वर्णित है ; अन्य कृतिक दावों के संबंध में खाद्य या उसके संघटकों के उपयोग का विशिष्ट लाभकारी प्रभाव का दावा है, शरीर के सामान्य कृत्यों या जैविक क्रियाविधि पर संपूर्ण आहार के संदर्भ में और स्वास्थ्य में धनात्मक प्रभाव से संबंधित ऐसे दावे या स्वास्थ्य के उपातरणों या उनके परिरक्षण या कृत्यों की अभिवृद्धि या खाद्य या खाद्य संघटकों के उपयोग के संबंध में संपूर्ण, आहार के संबंध में किसी बीमारी के विकास या स्वास्थ्य संबंधी दशाओं में जोखिमों को कम करना भी है ;
- (iv) “जोखिम में कमी” स्वास्थ्य दावों के संदर्भ में किसी रोग या स्वास्थ्य से संबंधित दशाओं और रोगों की बहु जोखिम कारकों या उन जोखिम कारकों में किसी एक में परिवर्तन या उनका कोई फायदाकारी प्रभाव न होना अभिप्रेत है ;

(ii) रंग और वासकों के लिए स्पष्ट अक्षरों में कथन से संबंधित परंतुक के पश्चात् और उसके नीचे दिए गए टिप्पण से पहले निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“वासकों के सामान्य नाम या वर्ग नाम योज्य वासकों से संबंधित कथन पर अभिकथित किए जाएंगे ।”;

(iii) अंतिम परंतुक के स्थान पर निम्नलिखित परंतुक रखा जाएगा, अर्थात् :-

“परंतु कृत्रिम वासकों पदार्थों के मामले में लेबल पर वासकों की सामान्य नामों की घोषणा होगी किंतु प्राकृतिक वासक पदार्थों या प्राकृतिक समरूप वासक पदार्थों के मामलों में वासकों के वर्ग का नाम लेबल पर वर्णित होगा और इस पर अन्य वासक अभिकर्मकों के मामले में नियम 64 खख के अधीन यथाविनिर्दिष्ट लेबल पर अनुपालन होगी” ।

(II) खंड (घ) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :-

“(घ) (1) सभी खाद्यों के प्रत्येक पैकेज पर, यथास्थिति, भार या मात्रा या संख्या द्वारा शुद्ध अंतर्वस्तु घोषित की जाएगी ;

(2) शुद्ध अंतर्वस्तुओं की घोषणा के अतिरिक्त द्रव माध्यम में पैक किए गए खाद्य पर खाद्य के जलोत्सारित भार की घोषणा की जाएगी ।

स्पष्टीकरण 1- इस अपेक्षा के प्रयोजनों के लिए द्रव माध्यम से जल, चीनी और नमक का जलीय घोल, केवल डिब्बे में बंद फलों और सब्जियों में फल और सब्जियों के रस या सिरका या तो एकल रूप में या सम्मिश्रण में ।

स्पष्टीकरण 2- पैकेज में रखी वस्तु की शुद्ध मात्रा घोषित करने में वस्तु से अन्यथा रैपरों और सामग्रियों के भार को अपवर्जित किया जाएगा ।

परंतु जहां किसी पैकेज में मिष्ठान की बहुत सारी छोटी मर्दें अंतर्विष्ट है, जिनमें से प्रत्येक अलग-अलग लिपटी हुई है और वस्तु के शुद्ध भार से उसे अलग करना युक्ति युक्त रूप से व्यवहार्य नहीं है, वहां पैकेज में अंतर्विष्ट मिष्ठान की सभी मर्दों के ऐसे संनिकट रैपरों का भार, पैकेज या उसके लेबल, जिसमें मिष्ठान अंतर्विष्ट है, पर घोषित शुद्ध भार में ऐसे संनिकट रैपर का भार सम्मिलित हो सकेगा यदि और यदि केवल यदि ऐसे संनिकट रैपर का कुल भार निम्नलिखित से अधिक नहीं है :—

(i) 8 प्रतिशत, जहां ऐसा संनिकट रैपर मोम कागज या स्ट्रिप के अधीन मोम या एल्युमिनियम फाइल के साथ अन्य कागज का है ; या

(ii) किसी अन्य कागज की दशा में, 6 प्रतिशत, पैकेज में अंतर्विष्ट मिष्ठान की सभी मर्दों के कुल शुद्ध भार में से संनिकट रैपर के भार को छोड़कर,

(III) खंड (ड) में निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परंतु ऐसे पैकेजों की दशा में, जिसमें डबलरोटी और दूध, जिसके अंतर्गत विसंक्रमित दूध भी है, अंतर्विष्ट है, इस खंड के अधीन विशिष्टियों को लेबल पर दिया जाना अपेक्षित नहीं होगा ।”

(IV) खंड (ज) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(ज) किरणित खाद्य- किसी खाद्य, जो आयनकारी विकिरण से उपचारित किया गया है, के लेबल पर खाद्य के नाम के निकट सामीप्य में उपचार उपदर्शित करने वाला लिखित कथन होगा ।” ;

(V) खंड (झ) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(झ) लेबल लगाने की अपेक्षाओं से छूट—

(i) जहां पैकेज की प्रधान संप्रदर्शन प्रपट्टी का कुल पृष्ठीय क्षेत्रफल 100 वर्ग सेंटीमीटर से अधिक नहीं है वहां ऐसे पैकेज का लेबल संघटकों की सूची, लाट संख्यांक या बैच संख्यांक या कोड संख्यांक, पौषणिक सूचना और उपयोग के अनुदेश देने की अपेक्षाओं से छूट प्राप्त होगा किन्तु ये सूचनाएं, यथास्थिति, थोक पैकेजों या मल्टीपीस पैकेजों पर दी जाएगी ।”।

(ii) 10 वर्ग सेंटीमीटर से कम पृष्ठीय क्षेत्रफल वाले पैकेज तारीख के पूर्व सर्वोत्तम या समाप्ति तारीख का उल्लेख करने की अपेक्षा वाली घोषणा से छूट प्राप्त हो सकेंगे ।

(iii) ऐसी बोतलों में विपणित द्रव उत्पादों की दशा में, ऐसी बोतलों पर घोषित करना जिनका भरण के लिए पुनः उपयोग किया जाता है, खंड (ख) के अधीन विनिर्दिष्ट विशिष्टियां अपेक्षित नहीं होगा ।

(VI) अंतिम परंतुक के पश्चात् और स्पष्टीकरण-II, के पहले निम्नलिखित स्पष्टीकरण अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“स्पष्टीकरण- I “लेबल” से, किसी खाद्य पैकेज के आधान, आंतरक, ढक्कन या क्राउन पर लिखा, मुद्रित, स्टैंशिल, चिन्हांकित, समुद्रभ्रत, आलेखित, छिद्रित, स्टांपित या छपा हुआ या उससे संलग्न कोई टैग, ब्रांड, चिन्ह, चित्रमय या अन्य वर्णात्मक विषयवस्तु अभिप्रेत है ;

(VII) स्पष्टीकरण- (III) के पश्चात् निम्नलिखित स्पष्टीकरण रखा जाएगा, अर्थात् :—

“स्पष्टीकरण- IV- “लाट संख्यांक” या “कोड संख्यांक” या बैच संख्यांक” से वह संख्यांक अभिप्रेत है, जो या तो अंकों या वर्णमाला में अथवा संयोजन में, “लाट सं०” अथवा “लाट” या “कोड सं०” अथवा “कोड” या “बैच सं०” अथवा “बैच” शब्दों या किसी ऐसे सुभेदक उपसर्ग से, जिसके द्वारा खाद्य के विनिर्माण में अनुरेखित या संवितरण में पहचान हो सकती है, आरंभ होने वाले लाट संख्यांक या कोड संख्यांक या बैच संख्यांक का प्रतिनिधित्व करती है ।;”

(VIII) स्पष्टीकरण- VI के पश्चात् निम्नलिखित स्पष्टीकरण अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

स्पष्टीकरण- VII- “पहले से पैक की गई या पहले से पैक खाद्य” से ऐसा खाद्य अभिप्रेत है जो किसी भी प्रकृति के पैकेज में, ऐसी रीति में रखा जाता हो कि उसकी अंतर्वस्तुओं को, उसमें छेड़छाड़ किए बिना बदला नहीं जा सकता है और जो उपभोक्ताओं को विक्रय के लिए तैयार होता है ।

स्पष्टीकरण- VIII - “के पूर्व सर्वोत्तम” से वह तारीख अभिप्रेत है जो उस अवधि को संज्ञापित करती है जिसमें किन्हीं ऐसी कथित भंडारण दशाओं के अधीन, जिसके दौरान उत्पाद पूर्णतः विपण्य रहेगा और कोई ऐसी विनिर्दिष्ट क्वालिटी प्रतिधारित करेगा, जिसके लिए अव्यक्त या व्यक्त दावे किए गए हों और उस तारीख के पश्चात् भी खाद्य पूर्णतः संतोषप्रद हो सकेगा ;

स्पष्टीकरण- VIII क- “विनिर्माण की तारीख” से वह तारीख अभिप्रेत है जिसको खाद्य यथावर्णित उत्पाद बन जाता है ;

स्पष्टीकरण- VIII ख- “पैकेजिंग की तारीख” से वह तारीख अभिप्रेत है जिसको खाद्य सीधा उस आधान में रखा जाता है जिसमें अंततोगत्वा उसका विक्रय किया जाएगा ;

स्पष्टीकरण- VIII ग- “तारीख तक उपयोग या अंतिम उपभोग की सिफारिश की गई तारीख या समाप्ति की तारीख” से वह तारीख अभिप्रेत है जो किन्हीं कथित भंडारण शर्तों के अधीन अनुमानित अवधि की समाप्ति को संज्ञापित करती है जिसके पश्चात् उत्पाद अधिसंभाव्यता: उपभोक्ताओं द्वारा उस क्वालिटी का नहीं माना जाएगा जिसकी सामान्यतः प्रत्याशा की जाती है और उसके पश्चात् खाद्य विषय नहीं होगा ;

4. उक्त नियमों के नियम 36 में,-

(क) उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :-

‘(1) इन नियमों के अधीन अपेक्षित सूचना पैकेज या आधान की प्रधान संप्रदर्शन प्रपट्टी पर दी जाएगी और ऐसी सूचना में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित सम्मिलित किया जा सकेगा,-

(i) सभी सूचना एक साथ समूहबद्ध की जाएगी और एक स्थान पर दी जाएगी ;
या

(ii) पूर्व मुद्रित सूचना एक साथ समूहबद्ध की जाएगी और एक स्थान पर दी जाएगी ; और

(iii) आन लाइन सूचना को अन्य स्थान पर समूहबद्ध किया जाएगा ।’।

स्पष्टीकरण-- इस नियम के प्रयोजन के लिए “प्रधान संप्रदर्शन प्रपट्टी” से आधान/पैकेज का वह भाग अभिप्रेत है जिसका उसमें अंतर्विष्ट वस्तु के संप्रदर्शन, विक्रय या क्रय की सामान्य और रुढ़िजन्य शर्तों के अधीन संप्रदर्शित या प्रस्तुत या दर्शित अथवा ग्राहक द्वारा परीक्षा किया जाना आशयित है या उसकी संभावना है ।’।

(ख) उपनियम (3) का लोप किया जाएगा ।

5. उक्त नियमों के नियम 37क के उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :-

“(2) इन नियमों के अधीन विनिर्दिष्ट उपबंधों के अतिरिक्त, जिसके अंतर्गत लेबल लगाने की अपेक्षाएं भी हैं, सांपत्तिक खाद्य निम्नलिखित अपेक्षाओं के अनुरूप भी होंगे, अर्थात् :-

(क) खाद्य का नाम और प्रवर्ग का, जिसके अधीन वह इन नियमों में आता है, लेबल पर उल्लेख किया जाएगा ;

(ख) सांपत्तिक खाद्य उत्पाद इन नियमों और परिशिष्ट-ग में विनिर्दिष्ट सभी अन्य विनियमनकारी उपबंधों का अनुपालन करेगा ।’।

6. उक्त नियमों के नियम 40 के उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(2) (i) ऐसे किसी फल सीरप, फल रस, फल स्कवैश, फल पेय, कार्डियल, क्रश या इन नियमों के परिशिष्ट ख के अधीन मानकीकृत किसी अन्य फल उत्पादों को, जिसमें फल रस, या फल का रस या फल का गूदा अथवा फल की अंतर्वस्तु विनिर्दिष्ट मात्रा में अंतर्विष्ट नहीं है, यथास्थिति, फल सिरप, फल रस, फल स्कवैश, फल पेय, कार्डियल, क्रश या किसी अन्य फल उत्पाद के रूप में वर्णित नहीं किया जाएगा ;

(ii) कोई ऐसा खाद्य उत्पाद जिसमें किसी फल की विनिर्दिष्ट मात्रा अंतर्विष्ट नहीं है और जिसमें उपभोक्ता को शब्दों या चित्रमय प्रदर्शन के उपयोग द्वारा यह धोखा होने, भ्रमित होने या भ्रांत धारणा होने की संभावना है कि उत्पाद में फल अंतर्विष्ट है, लेबल पर स्पष्टतः और सुस्पष्ट रूप से (फल का नाम) सुगन्ध चिह्नांकित किया जाएगा ।

(iii) किसी ऐसे खाद्य उत्पाद को, जिसमें एक मात्र रूप में या समिश्रित रूप में फलों की सुगन्ध, चाहे प्राकृतिक सुगन्ध और प्राकृतिक सुरुचिकारी पदार्थ हो या प्राकृतिक समरूपी सुगन्धकारी पदार्थ या कृत्रिम सुरुचिकारी पदार्थ हो, फल उत्पाद के रूप में वर्णित नहीं किया जाएगा और ऐसे उत्पाद का वर्णन करने में मिलाई गई सुगन्ध (फल का नाम) शब्द का उपयोग किया जाएगा ;

(iv) ऐसा कार्बोनेटिड जल, जिसमें फल का रस या फल का गूदा अंतर्विष्ट नहीं है, पर ऐसा लेबल नहीं लगाया जाएगा जिससे उपभोक्ता को ऐसा विश्वास हो कि यह फल उत्पाद है ।”

7. उक्त नियमों के नियम 42 के उपनियम (खयय) में खंड (24) का लोप किया जाएगा ।

8. उक्त नियमों के नियम 64खख में, मिलाई गई सुगन्ध से संबंधित विद्यमान कथन और टिप्पण के स्थान पर निम्नलिखित कथन और टिप्पण रखे जाएंगे, अर्थात् :—

“मिलाई गई सुगन्ध की अंतर्वस्तु (नियम 63 के अनुसार सुरुचिकारी कारक का प्रकार विनिर्दिष्ट करें)

टिप्पण- उपर्युक्त कथन के अतिरिक्त नियम 32(ख) में यथाविनिर्दिष्ट सुगन्ध का सामान्य नाम या वर्ग नाम का भी लेबल पर उल्लेख किया जाएगा और यदि ऐसा कथन प्रदर्शित किया जाता है तो उत्पादों में प्रयुक्त सुगन्ध को संघटकों की सूची में उल्लेख करना आवश्यक नहीं है ।”

[फा. सं. पी 15014/9/2001-पी.एच. (खाद्य) जिल्द II]

देबाशीष पण्डा, संयुक्त सचिव

टिप्पणी :—मूल नियम भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्यांक का०नि०आ० 2106, तारीख 12 सितंबर, 1955 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और सा०का०नि० 206(अ), तारीख 25 मार्च, 2008 द्वारा उनमें अंतिम संशोधन किए गए थे ।

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th May, 2008

G.S.R. 380(E).—The following draft of certain rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), in circumstances which in the opinion of the Central Government render it necessary and in the public interest, to make rules without consultation with the Central Committee for Food Standards, is hereby published, as required by sub-section (1) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration after sixty days of its publication in the Gazette of India. Any objections or suggestions received from any person with respect to the said draft rules on or before the date so specified shall be considered by the Central Government;

Objections or suggestions, if any, may be addressed to the Secretary, Ministry of Health and Family Welfare, Government of India, Nirman Bhawan, New Delhi – 110 011;

DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Second Amendment) Rules, 2008.
(2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.
2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 (hereinafter referred to as the said rules), - in rule 2,
(i) clauses (j), (k), (l) and (m) shall be omitted;

(ii) for clause (o), the following clause shall be substituted, namely:-

“(o) **“foods for special dietary uses”** means foods which are specially processed or formulated to satisfy particular dietary requirements which exist because of a particular physical or physiological condition or specific diseases and disorders and which are presented as such, wherein the composition of these foodstuffs must differ significantly from the composition of ordinary foods of comparable nature, if such ordinary foods exist.”;

(iii) clause (q), clause (r), clause(s), clause(t) and clause(u) shall be omitted.

3. In rule 32 of the said rules,-

(I) in clause (b),-

(i) for paragraph (2) relating to List of Ingredients, the following paragraph shall be substituted, namely:-

“(2) **List of Ingredients:** Except for single ingredient foods, a list of ingredients shall be declared on the label in the following manner: -

- (i) the list of ingredients shall contain an appropriate title, such as the term “ingredients”;
- (ii) the names of ingredients used in the product shall be listed in descending order of ingoing weight at the time of manufacture of the food,
- (iii) where an ingredient is itself the product of two or more ingredients, such a compound ingredient may be declared, as such, in the list of ingredients, and shall be accompanied by a list, in brackets, of its ingredients in descending order of weight:

Provided that where a compound ingredient for which a name has been established in these rules constitutes less than five percent of the food, the ingredients other than food additives which serve a technological function in the finished product need not to be declared;

- (iv) added water shall be declared in the list of ingredients except when the water forms part of an ingredient such as brine, syrup or broth used in a compound food and declared as such in the list of ingredients:

Provided that water or other volatile ingredients evaporated in the course of manufacture need not to be declared:

Provided further that in the case of dehydrated or condensed food, which are intended to be reconstituted by the addition of water only, the ingredients may be listed in order of weight in the reconstituted product and shall contain a statement such as “ingredients of the product when prepared in accordance with the directions on the label;”

- (v) every package of food sold as a mixture or combination shall disclose the ingoing percentage, by weight or volume, as the case may be, of an ingredient at the time of the manufacture of the food (including compound ingredients or categories of ingredients) that-

- (A) is emphasised as present on the label through words or pictures or graphics; or
- (B) is not within the name of the food but, is essential to characterise the food and is expected to be present in the food by consumers if the omission of the quantitative ingredient declaration will mislead or deceive the consumer:

Provided that the above disclosure is not required where ingredient has been used as flavouring agents in accordance with the provisions of rule 63 or herbs, spices and condiments used for the purposes of flavouring;

Provided further that the above disclosure is not required where the drained net weight is indicated on the label as required or in case of such food products where specific provisions are stipulated under these rules or where an pictorial representation of a serving suggestion is made for consumer information and use;

- (vi) the nutritional information or nutritional facts per 100 gm or 100ml or per serving of the product shall be given on the label containing the following: -

- (A) energy value expressed in kcal;
- (B) the amounts of protein, carbohydrate (specify quantity of sugar) and fat expressed in gram (g);
- (C) the amount of any other nutrient for which a nutrition or health claim is made:

Provided that where a claim is made regarding the amount or type of fatty acids or the amount of cholesterol, the amount of saturated fatty acids, monounsaturated fatty acids and polyunsaturated fatty acids and cholesterol shall be declared, and the amount of trans fatty acid shall be declared in addition to the other requirement stipulated above;

- (D) wherever, numerical information on vitamins and minerals is declared, it shall be expressed in metric units
- (E) where the nutrition declaration is made per serving, the amount in gram (g) or milliliter (ml) shall be included for reference beside the serving measure;
- (F) declaration of other nutrients, like, vitamins and minerals including sodium, potassium, dietary fibers shall be required in case any nutrition or health benefit claims are made upon the label or otherwise in respect of the food contained in the package;
- (G) in case a claim is made on the label with regard to the presence of mono or poly unsaturated fatty acids or presence of omega 3 or oryzanol which are considered good for health, the amount and type of fatty acids shall be declared on the label:

1801 GFl08-4

Provided that-

(a) *the nutritional information may not be necessary, in case of foods such as raw agricultural commodities, like wheat, rice, cereals, spices, spice mixes, herbs, condiments, table salt, sugar, jaggery, etc, or non – nutritive products, like, soluble tea, coffee, soluble coffee, coffee-chicory mixture, packaged drinking water, packaged mineral water, alcoholic beverages, whole or cut fruits and vegetables, processed and pre-packaged assorted vegetables, fruits, vegetables and products that comprise of single ingredient, pickles, papad, which are not known source of nutrient or where it does not contain any added nutrient foods served for immediate consumption such as served in hospitals, hotels or by food services vendors or halwais, foods shipped in bulk which is not for sale in that form to consumers,*

(b) the compliance to quantity of declared nutrients on the label shall be according to the established practices.

Explanation:- For the purpose of this provision, at the time of analysis, due consideration, based on shelf-life, storage, and inherent nature of the food shall be kept in view in case of quantity declared nutrients;

(c) where nutrition or health claims relating to these are made upon the label or in case of hydrogenated vegetable fats or bakery shortening or fat spreads, the amount of saturated fat and trans fat shall be declared on the label;

(d) the foods, in which hydrogenated vegetable fats or bakery shortening is used shall declare on the label that hydrogenated vegetable fats or bakery shortening used- contains trans fats;

(e) both fat content and the saturated fatty acid content are expressed in grams, immediately following the words, 'saturated' and 'trans fat'. 'reduced in trans fat' and 'lower in' trans fat;

Provided further that nutrient content claims in foods containing trans fat, 'free of trans fat' (less than 0.2 g trans fat per serving of the food) or claim for 'saturated fat free' or 'trans fat free' or any claim likely to have same meaning for the consumer, may be made only in case of food where the sum of saturated fat and trans fatty acids does not exceed 0.1 g of saturated fat per 100g or 100 ml.

Explanation.-

i For the purpose of this provision, at the time of analysis, due consideration, based on shelf-life, storage, and inherent nature of the food shall be kept in view in case of quantity of declared nutrients;

ii **"nutrition claim"** means any representation which states, suggests or implies that a food has particular nutritional properties including but not limited to the energy value and to the content of protein, fat and carbohydrates, as well as the content of vitamins and minerals;

iii **“health claims”** means any representation that states, suggests or implies that a relationship exists between a food or a constituent of that food and health and include nutrient function claims- which describes the physiological role of the nutrient in growth, development and normal functions of the body; other functional claims concerning specific beneficial effect of the consumption of foods or their constituents, in the context of the total diet on normal function or biological activities of the body and such claims relate to a positive contribution to health or to the improvement of function or to modifying or preserving health, or relate to the consumption of a food or food constituents, in the context of the total diet, to the reduced risk of developing a disease or health-related condition;

iv **“risk reduction”** in the context of health claims means significantly altering a major factor for a diseases or health related conditions and diseases have multiple risk factors and altering one of these risk factors may or may not have a beneficial effect’;

(ii) after the proviso relating to statement in capital letters for colours and flavours and before the NOTE given thereunder, the following shall be inserted, namely:-

“The common name or class name of the flavour shall also be mentioned on the statement regarding added flavours.”;

(iii) for the last proviso, starting with words “provided also that declaration of flavours” and ending with the words “shall be declared on the label”, the following shall be substituted, namely:-

“Provided that in case of artificial flavouring substances, the label shall declare the common names of the flavours, but in case of natural flavouring substances or nature identical flavouring substances, the class name of flavours shall be mentioned on the label and it shall comply with the label declaration as specified under rule 64 BB in case of added flavouring agents.”.

(II) for clause (d), the following clause shall be substituted, namely:-

- “(d) (1) the net content by weight or volume or number as the case may be shall be declared on every package for all foods;
- (2) in addition to the declaration of net contents, a food packed in a liquid medium shall carry a declaration of the drained weight of the food.

Explanation1. For the purposes of this requirement, liquid medium means water, aqueous solutions of sugar and salt, fruit and vegetable juices in canned fruits and vegetables only, or vinegar, either singly or in combination.

Explanation2. In declaring the net quantity of the commodity contained in the package, the weight of the wrappers and materials other than commodity shall be excluded.

1801 GI/08-5

Provided that where a package contains a large number of small items of confectionery, each of which is separately wrapped and it is not reasonably practicable to exclude from the net weight of the commodity, the weight of such immediate wrappers of all the items of the confectionery contained in the package, the net weight declared on the package, containing such confectionery or on the label thereof may include the weight of such immediate wrapper if, and only if, the total weight of such immediate wrapper does not exceed :-

- (i) 8 per cent where such immediate wrapper is a waxed paper or other paper with wax or aluminium foil under strip; or
- (ii) 6 per cent in the case of any other paper, of the total net weight of all the items of confectionery contained in the package minus the weight of immediate wrapper.”;

(III) in clause (e), the following proviso shall be inserted, namely:-

“Provided that in case of packages containing bread and milk including sterilised milk, particulars under this clause shall not be required to be given on the label.”

(IV) for clause (h), the following clause shall be substituted, namely:-

“(h) **Irradiated foods.-** The label of a food, which has been treated with ionizing radiation, shall carry a written statement indicating the treatment in close proximity to the name of the food.”;

(V) for clause (l), the following clause shall be substituted, namely:-

“(I) **Exemptions from labelling requirements.-**

- (i) Where the total surface area of principal display panel of the package is not more than 100 square centimeter, the label of such package shall be exempted from the requirements of list of ingredients, Lot Number or Batch Number or Code Number, nutritional information and instructions for use, but these information shall be given on the wholesale packages or multipiece packages, as the case may be”.
- (ii) The requirement of mentioning the Best Before Date or Expiry Date may be exempted from declaration in packages with surface area of less than 10 square centimeter.
- (iii) in case of liquid products marketed in bottles which are reused for refilling, the particulars specified under clause (b) may not be required to be declared on such bottles.

(VI) after the last proviso and before Explanation –II, the following Explanation shall be inserted, namely:-

“**Explanation - I .-** “label” means any tag, brand, mark, pictorial or other descriptive matter, written, printed, stenciled, marked, embossed graphic, perforated, stamped or impressed on or attached to container, cover, lid or crown of any food package.”;

(VII) after Explanation-(III), the following Explanation shall be substituted, namely:-

‘Explanation – IV:- “Lot number” or “code number” or “batch number” means the number either in numerals or alphabets or in combination, representing the lot number or code number or batch number being preceded by the words “Lot No” or “Lot” or “code number” or “Code” or “Batch No” or “Batch” or any distinguishing prefix by which the food can be traced in manufacture and identified in distribution.’;

(VIII) after Explanation VI, the following Explanations shall be inserted, namely:-

‘Explanation – VII .- “Prepackaged or Pre-packed food”, means a food, which is placed in a package of any nature, in such a manner that the contents cannot be changed without tampering it and which is ready for sale to the consumer.

Explanation – VIII .- “Best before” means the date which signifies the end of the period under any stated storage conditions during which the product shall remain fully marketable and shall retain any specific qualities for which tacit or express claims have been made and beyond that the date the food may still be perfectly satisfactory.

Explanation - VIII A .- “Date of manufacture” means the date on which the food becomes the product as described;

Explanation VIII B .- “Date of packaging” means the date on which the food is placed in the immediate container in which it will be ultimately sold.

Explanation VIII C .- “Use - by date or recommended last consumption date or expiry date” means the date which signifies the end of the estimated period under any stated storage conditions, after which product probably will not have the quality attributes normally expected by the consumers and the food shall not be marketable.’.

4. In rule 36, of the said rules, -

(a) for the sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely:-

‘(1) The information required under these rules shall be given on the principal display panel of the package or container and such information may inter alia include:

- (i) all the information be grouped together and given at one place; or
- (ii) the pre-printed information be grouped together and given in one place; and
- (iii) online information be grouped together in other place.’.

‘Explanation.- For the purpose of this rule, the “principal display panel” means that part of the container/ package which is intended or likely to be displayed or presented or shown or examined by the customer under normal and customary conditions of display, sale or purchase of the commodity contained therein.’.

(b) sub-rule(3) shall be omitted.

5. for sub-rule (2) of rule 37 A of the said rules, the following sub-rule shall be substituted, namely:-

“(2) In addition to the provisions including labeling requirements specified under these rules, the proprietary foods shall also conform to the following requirements, namely:-

- (a) the name of the food and category under which it falls in these rules shall be mentioned on the label;
- (b) the proprietary food product shall comply with all other regulatory provisions specified in these rules and in Appendix - C.”

6. for sub-rule (2) of rule 40 of the said rules, the following sub-rule shall be substituted, namely:-

- “(2) (i) Any fruit syrup, fruit juice, fruit squash, fruit beverages, cordial, crush or any other fruit products standardized under Appendix B of these rules, which does not contain the specified amount of fruit juice or fruit pulp or fruit content shall not be described as fruit syrup, fruit juice, fruit squash, fruit beverages, cordial, crush or any other fruit product as the case may be;
- (ii) Any food product which does not contain specified amount of any fruit and is likely to deceive or mislead or give a false impression to the consumer that the product contains fruit whether by use of words or pictorial representation shall be clearly and conspicuously marked on the label as ‘(NAME OF THE FRUIT) FLAVOURED’;
- (iii) any food product, which contains only fruit flavours whether natural flavours and natural flavouring substances or nature identical flavouring substances or artificial flavouring substances as single or in combination, shall not be described as a fruit product and the word ‘ADDED (NAME OF FRUIT) FLAVOURED’ shall be used in describing such a product;
- (iv) carbonated water containing no fruit juice or fruit pulp shall not have a label which may lead the consumer into believing that it is a fruit product.”

7. In rule 42 of the said rules, in sub-rule (ZZZ), the clause (24) shall be omitted.

8. In rule 64 BB of the said rules, for the existing statement and the Note, regarding added flavour, the following statement and Notes shall be substituted, namely:-

“

CONTAINS ADDED FLAVOUR (specify type of flavouring agent as per rule 63)
--

Note:- In addition to above statement, the common name or class name of the flavour as specified in rule 32(b) shall also be mentioned on label and if such a statement is displayed, the flavour used in the products need not be mentioned in the list of ingredients.”

[F. No. P. 15014/9/2001-PH (Food) Vol. II]

DEBASISH PANDA, Jt. Secy.

Note :—The principal rules were published in the Gazette of India vide notification number S.R.O. 2106, dated the 12th September, 1955 and were lastly amended vide notification number G.S.R. 206(E), dated the 25.03.2008.